गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

हिंदी अध्ययन केंद्र

एवं

केंद्रीयहिंदी संस्थान, आगरा

के संयुक्त तत्वावधान में दो-दिवसीयराष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी कविता: आदिवासी जीवन और विचार

22-23मार्च, 2023

आयोजन स्थल : सेमीनार हॉल, सेक्टर-29, गुजरातकेंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर
उद्घाटन सत्र : दिनांक- 22.03.2023, प्रात: 11 बजे।
समापन सत्र : दिनांक- 23-03.2023, अपराह्न 3.30 बजे।

संकल्पना और उद्देश्य

आदिवासी साहित्य पर पिछले डेढ़-दो दशक से विचार-विमर्श किया जा रहा है। उस पर संगोष्ठियाँ आयोजित की जा रही हैं। अधिकांश संगोष्ठियाँ हमें आदिवासी कथा साहित्य पर देखने को मिली हैं।जबकि आदिवासी रचनाकारों द्वारा सबसे अधिक कविताएँ ही लिखी गई हैं। इन कविताओं पर बहुत कम चर्चा हुई है।स्वतन्त्रतापूर्व और स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता में भी कुछ ऐसे सन्दर्भ हमें देखने को मिलते हैं जिनमें आदिवासी पृष्ठभूमि है।समकालीन हिंदी कविता में भी हम आदिवासी जीवन सन्दर्भ देख सकते हैं। समकालीन हिंदी कवियों ने आदिवासियों को अपनी कविताओं में अभिव्यक्त किया है। विमर्श के दौरान कई नए आदिवासी कवि भी उभरते हैं। ऐसे में आदिवासी कविता पर विचार-विमर्श किया जाना विशिष्ट होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए हिंदी अध्ययन केंद्र में "हिंदी कविता : आदिवासी जीवन और विचार" विषयक दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से हिंदी कविता में अभिव्यक्त आदिवासी जीवन सन्दर्भों और विचारों को चिन्हित-रेखांकित करने का प्रयास है।

संगोष्ठी के मुख्य सत्र

प्रथम सत्र-: आधुनिकहिंदी कविता में आदिवासी जीवन और विचार
द्वितीय सत्र-: समकालीन हिंदी कविता में आदिवासी जीवन और विचार
तृतीय सत्र-: 21वीं सदी की हिंदी कविता में आदिवासी जीवन दर्शन
चतुर्थ सत्र-: 21वीं सदी की हिंदी कविता में आदिवासी जीवन के प्रमुख मुद्दे

संगोष्ठी के लिए निम्नलिखित उप-विषयों पर शोध पत्र आमंत्रित हैं-

- हिंदी कविता में आदिवासी जीवन दर्शन
- हिंदी कविता में आदिवासी संस्कृति
- हिंदी कविता और आदिवासी सामाजिक-राजनीतिक-धार्मिक जीवन
- हिंदी कविता में आदिवासी प्रतिरोध का स्वर
- हिंदी कविता में आदिवासी मिथक और इतिहास
- हिंदी कविता में जल, जंगल और जमीन
- हिंदी कविता में आदिवासी अस्तित्व और अस्मिता
- हिंदी कविता और विस्थापन
- हिंदी कविता और भूमंडलीकरण
- हिंदी कविता में आदिवासी सौन्दर्यबोध
- आदिवासी कविताओं में स्त्री
- आदिवासी महिला रचनाकारों की कविताओं में विचार
- आदिवासी कविताओं की भाषा और शिल्प
- हिंदी कविता में आदिवासी जीवन की विविध समस्याएं
- हिंदी कविता में आदिवासी जीवन के प्रमुख मुद्दे
- अन्य विषय जो इस संगोष्ठी से सम्बंधित हों।

इच्छुक प्रतिभागियों हेतु निर्देश

- संभागियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता और आवास देय नहीं होगा।
- पंजीयन शुल्क संकाय सदस्य 500/- एवं शोधार्थी 300/-देय होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 18 मार्च 2023 है। पंजीयन के लिए लिंक : https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdI2O6htug1MRPXW9mRA5MuV3JvQ_8xJGbUJs6qp7i9b06Ugw/viewform?usp=sf_link
- यह प्रपत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से भी डाउनलोड कर मेल पर भेज सकते हैं।
- शोध पत्र दिनांक 17 मार्च , 2023 तक मेल पर एम.एस.वर्ड और पीडीएफ फाइल में प्रेषित करें।
- आलेख टंकण का कार्य एरियल यूनिकोड (देवनागरी) या मंगल यूनिकोड में करवाएं।
- चयनित शोध पत्रों को सम्पादित पुस्तक आईएसबीएन में प्रकाशित किया जाएगा।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा 2009 में केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत किया गया। यह विश्वविद्यालय भारत के सामाजिक , सांस्कृतिक, आर्थिक एवं वैज्ञानिक उन्नति हेतु ज्ञान के प्रचार और अध्ययन-अध्यापन में नवाचार को बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय का ध्येय मानवीय मूल्य एवं लोक व्यवहार के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्वयं को स्थापित करने का है।

हिंदी अध्ययन केंद्र

वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी की भूमिका और भारत की सामासिक संस्कृति के निर्माण के प्रति हिंदी अध्ययन केंद्र सजग है। भारत जैसे एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश की राजभाषा एवं संपर्क भाषा होने के कारण हिंदी विभिन्न भाषा-भाषी समाजों और संस्कृतियों के बीच सेतु का कार्य करती है। हिंदी अध्ययन केंद्र सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ उपेक्षित समूहों को केंद्र में लाने के लिए हिंदी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण मानता है। हिंदी भाषी क्षेत्र का मौखिक साहित्य अत्यंत समृद्ध है जिसका सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन कई अछूते आयामों को उद्घाटित कर सकता है। यह केंद्र मौखिक साहित्य एवं हाशिए के साहित्य के अध्ययन पर विशेष बल देता है।

केंद्रीयहिंदी संस्थान, आगरा

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 1960 ई. में स्थापित स्वायत्त संगठन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित शिक्षण संस्था है। संस्थान मुख्यतः हिंदी के अखिल भारतीय शिक्षण-प्रशिक्षण,अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार के लिए कार्य-योजनाओं का संचालन करता है।संस्थान का मुख्यालय आगरा में स्थित है। इसके आठ केंद्र - दिल्ली (स्था. 1970), हैदराबाद (स्था. 1976), गुवाहाटी (स्था. 1978), शिलांग (स्था. 1987), मैसूर (स्था. 1988), दीमापुर (स्था. 2003), भुवनेश्वंर (स्था. 2003) तथा अहमदाबाद (स्था. 2006) में सक्रिय हैं।

संरक्षक

प्रो. रमाशंकर दूबे
कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर

प्रो. संजीव कुमार दुबे
अधिष्ठाता एवं परीक्षा नियंत्रक, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर

संकाय सदस्य एवं आयोजन समिति

प्रो. विपुल कुमार, आचार्य
डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी,सहायक आचार्य
डॉ. प्रेमलता, सहायक आचार्य
डॉ. संध्या राय, सहायक आचार्य
डॉ. रोशल लाल जहेल, सहायक आचार्य
डॉ. निशांत कुमार, सहायक आचार्य

संयोजक
डॉ. सुनील कुमार
क्षेत्रीय निदेशक
के.हिं.सं., अहमदाबाद केंद्र

संयोजक
डॉ. गजेन्द्र कुमार मीणा(7567997700)
सहायक आचार्य, हिंदी अध्ययन केंद्र
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर

संपर्क: ई-मेल: seminarhindiaadivasi@gmail.com
मोबाइल नं.: 7567997700 वेबसाइट : cug.ac.in